आ, मेरे पीछे हो ले

तो ठीक है, नहीं, वो बेकी के जन्म होने से पहले था। और इसलिए मैंने—मैंने सोचा, "ठीक है, आप जानते हैं... " मैं—मैं केवल एक कटोरी जई का दलिया खाता हूं, जिसका दाम दस सेंट होता है। ठीक है, मैं बस... वे मुझे मेरा बिल देते हैं, और तब इस पर हस्ताक्षर करता हूँ, आप देखो, और मैं इसका भुगतान करता हूँ, इसे वापस इसमें जोड़ देता हूँ, क्योंकि मेरे पास खर्च का लेखा–जोखा रहता था।

2 और एक दिन जब हमारी एक—एक निरीक्षण दल या गश्ती दल की बैठक हुई थी। "ओह," उन्होंने कहा, "कौन है यह सरफिरा जिसने कुछ तो इस तरह से दाम को लगाया है? " देखा? वो—वो प्रमुख व्यक्ति, आप जानते होंगे, कहा, "नाश्ते के लिए दस सेंट? " तो यह दूसरे लोगो से वास्तव में सस्ता दिखाई देता था, आप समझते होंगे। उनमें से कुछ लोगो ने डॉलर में लगाया था, देखो; रात के खाने के लिए दो डॉलर। और मैं ठीक वही बिल लगाता हूं जो इसका दाम होता था।

3 तो ठीक है, मैंने कहा, "ठीक है, अब, मुझे इसमें ज्यादा लगाने की कोई जरूरत नहीं है। यदि मैं केवल दस सेंट का ही खाता हूँ तो मैं क्या करूँ? "

4 श्रीमान फील्ड्स, जो कि सहायक अधीक्षक थे, उन्होंने कहा, "बिली, किसी भी तरह कम से कम बिल को डॉलर में करो।" कहा, "ऐसा ही है जो बाकी लोग करते हैं।" कहा, "आपको इसे एक साथ रखना होगा।"

5 "तो ठीक है," मैंने कहा, "मैं—मैं इतना कभी भी नहीं खाता हूँ लेकिन सिर्फ एक कटोरी जई का दलिया, और यही है मैं जिसका दाम चुकाता हूँ।"

कहा, "ओह, नहीं, ऐसा कभी भी ना करे।"

6 अच्छा, तो मैंने सोचा, "मैं इसके साथ क्या करूँ? " तब मैंने नाश्ते के लिए पचास सेंट लगाया। उसके बाद मैं उसमें से चालीस सेंट लेता हूं, यदि मुझे कुछ खर्च करना होता है, तो इसे रास्ते पर किसी भी बच्चों को दे देता हूँ; कुछ बच्चे, आप जानते होंगे, जो ऐसे दिखाई पड़ते है कि उन्हें कुछ डबलरोटी, सैंडविच की आवश्यकता है। तो ठीक है, मैंने सोचा शायद

मैं... ठीक है, यह खुद कंपनी ही थी, जो मुझसे इस तरह से बात कर रही थी। यह कंपनी के बाहर का व्यक्ति था।

तो मैंने सोचा, "हो सकता है कि मैंने कुछ गलत किया।"

7 तो यहाँ ज्यादा समय नहीं हुआ, एक गश्ती दल के साथ... अब वे हेलीकॉप्टर से निरीक्षण करते हैं, आप देखते होंगे। तो वो वहां पर आया और वो रुक गया। उसने कहा, "कहिये, भाई ब्रन्हम," कहा, "यह पेड़ बढ़ रहा है।"

मैंने कहा, "जी हाँ।" मैंने कहा, "बच्चे वहां उसी पेड़ के नीचे खेलते हैं।"

उसने कहा, "क्या हम इसकी कटाई–छटाई कर सकते हैं? "

मैंने कहा था, "हाँ, लेकिन इसे काटना मत। समझे? "

उसने कहा, "तो, हम इसे काटना चाहेंगे। हम आपको इसके लिए भुगतान करेंगे।"

8 मैंने कहा, "नहीं, नहीं। मैं नहीं चाहता हूँ कि आप इसे काटें।" तो ठीक है, मैं रास्ते पर के कायदे–कानून को भी जानता हूं, आप जानते होंगे, क्योंकि मैंने इस पर सात वर्ष काम किया था। मैंने कहा, "नहीं।" मैंने कहा, "मैं नहीं चाहता हूँ कि इसे काटें, लेकिन आप इसे ऊपर से कटाई–छटाई कर सकते हैं।" मैंने कहा, "मैं—मैं इसकी ऊपर से कटाई–छटाई करता रहता हूं, लेकिन," मैंने कहा, "आप ऐसा कर सकते हैं। यदि आप चाहें तो इसे ऊपर से कटाई–छटाई कर सकते हैं।" मैंने कहा, "मैं, भाई वुड और मैं, इसे ऊपर से कटाई–छटाई करते रहते हैं। हम साथ ही इन सारे अन्य पेडो की यहां कटाई–छटाई करते हैं।" और मैंने कहा, "लेकिन हम इसे बच्चों के कारण रखना चाहेंगे, जोई और वे लोग, आप जानते होंगे, उस पेड़ के नीचे खेलने वाले छोटे बच्चो को।"

9 मैं दूर दौरे पर चला गया। जब मैं वापस आया, तो उसे काट कर गिरा दिया गया और वहां से हटा दिया गया। ओह, कंपनी पर क्या शिकायत दर्ज होगी, आप देखो, उस पेड़ को काटने के लिए, आप देखे। और इसलिए मैंने सोचा, "अब," मैंने कहा, "प्रभु, मैं यहाँ तक इस बात का उल्लेख भी नहीं करूंगा।" समझे? "चाहे यदि ऐसा कुछ भी है जो कि मैं, उस पर, कभी–कभी लगाता हूँ, केवल दस सेंट देकर खाता हूँ, और इसे 'पचास सेंट' करना होता है।" देखा? मैंने कहा, "यदि उस पर कुछ है, तो उन्हें

ही इससे निपटने दो, देखो, जो—जो कि—कि मैं इसमें लिखता हूं, आप ही समझ लेना। वो मैं... " और मैंने उस वक्त लोक सेवा कंपनी में होने का सपना देखना छोड़ दिया था, देखो, क्योंकि यह वहाँ पहले अवश्य ही कुछ तो ऐसा रहा होगा।

हमें देखना होगा कि हम क्या करते हैं। हमें किसी दिन उसका सामना करना होगा।

10 बच्चो, यहाँ पर आते हुए। किसी दिन तुम्हारी माँ यहाँ पर थी, ट्रूडी। मैं सोचता हूँ तुम नहीं जानती, तुम्हे नहीं पता। यह एक प्रकार से आश्चर्य की बात है, मैं देख सकता हूँ। और तुम अपनी पढाई पूरी करने पर हो। और हमने यहाँ पर इस दौरे को एक साथ किया है। मैं अब सभा में जाऊंगा, तुरंत ही इस सभा के बाद। और हम घर पर जा रहे हैं।

11 मैंने सोचा कि यह आप सभी से बात करने का अच्छा मौका होगा, और फिर यह भी सोचा कि पढाई–लिखाई पूरी होने से पहले छोटे बच्चों से जरा सा बात करना अच्छा रहेगा। बाइबल में से एक पद को पढ़ेंगे, और लगभग दस मिनट के लिए, मैं बस अपने ह्रदय से आपसे बात करूंगा। मैं आपसे दूर चला जाऊंगा। देखा?

12 इससे पहले कि मैं छोटे बच्चों से बात करूं, मैं बस एक मिनट बड़ों से भी, आप सभी से बात करना चाहूंगा। यह अब, शायद, हो सकता है काफी हद तक एक कठिन यात्रा हो। लेकिन जो अनुभव मैंने परमेश्वर से सीखा है, मैं इसके दस हजार डॉलर नहीं लूंगा जो मैंने प्रभु से सीखा है उसके लिए, जब से मैं यहां पर रहा हूं। मैं सचमुच में विश्वास करता हूं कि मैं सर्वशक्तिमान की आज्ञा का पूर्ण पालन करता हूं, और मैं—मैं आशा करता हूँ कि मैं हमेशा ही इसी तरह से बने रह सकूं। और एक है...

13 जब मैं आया, एक बात, जो दर्शन के द्वारा आई थी, कि मैं यहाँ टयूसान के ऊपर खड़ा हुआ था जब एक—एक—एक धमाका हुआ। तो ठीक है, भाई फ्रेड वहाँ पर थे जब ऐसा हुआ। और उन्होंने अब इसकी तस्वीर को लिया, आप जानते हैं, आकाश में। और मैंने इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचा था, कभी भी इस पर ध्यान नहीं दिया। तो पता नहीं क्यों ये मुझे प्रभावित करने लगा। और यहाँ नोर्मा के पिता भाई नॉर्मन ने मुझे बताया, कहा, "क्या आपने इस पर ध्यान दिया? "

14 और जैसे ही मैंने देखा, ठीक वहां पर वे दूत थे जितना वे साफ़–साफ़ दिखाई दे सकते थे, ठीक वहां उस तस्वीर में आकृति दिख रही थी। समझे? मैंने यह देखने के लिए देखा कि यह कब हुआ था, और इसका वही समय था, लगभग एक या दो दिन पहले, या मेरे वहां ऊपर जाने के एक या दो दिन बाद। मैंने देखा कि यह कहाँ पर था। "फ्लैगस्टाफ के उत्तर–पूर्व में, या प्रेस्कॉट, जो कि फ्लैगस्टाफ के नीचे है।" तो ठीक है, यही है बिल्कुल जहाँ पर हम थे, देखो, बिल्कुल वहीं पर।

15 "छब्बीस मील ऊँचा।" क्योंकि, भाप चार, चार मील ऊँचाई के ऊपर—ऊपर नहीं जा सकती है, या पाँच से अधिक, वो नमी, किसी भी प्रकार का कोहरा या कुछ भी इतना ऊपर नहीं जा सकता, आप जानते हैं। विमान उन्नीस हजार ऊंचाई पर उड़ते हैं। इसका मतलब सारे बादलों से ऊपर उठना, आप जानते है। और उन्नीस हजार लगभग चार मील ऊँचा होता है। यह छब्बीस मील ऊँचा था और ये यहाँ से वहां तक तीस मील था, और पिरामिड के आकार में था, यदि आपने उस तस्वीर को देखा है।

16 और दाहिनी ओर, जैसा कि मैंने आपको बताया था, मैंने ध्यान से देखा, बिल्कुल हट के, वो दूत था। वहाँ पर वो है, छाती बाहर निकली हुई, पंख पीछे की ओर, ठीक अंदर की ओर आते हुए, ठीक वैसे ही जैसे वो था। मैंने इसे कभी ध्यान नहीं दिया जब उन्होंने पहली बार... ऐसी बहुत सी बातें हुई।

17 एक दिन तब सड़क पर आते हुए, कुछ तो ऐसा हुआ था जिसने मुझसे उस चीज़ के बारे में बात की जो मुझे—मुझे अवश्य ही करना है। और ये—ये मेरा संदेश नहीं है।

18 एक समय पर, लियो मर्सिएर ने कहा, कहा, "भाई ब्रंहम, इसके बाद वो समय आएगा," कहा, लगभग पाँच या छह वर्ष पहले, हो सकता है सात वर्ष पहले, कहा, "भाई ब्रंहम, प्रभु आपकी सेवकाई को बदलने जा रहा है।" और कहा, "जब वह बदलता है, तो आप हो सकता अस्पतालों को पंक्ति में लगा दोगे, और आप उन लोगो से उन—उन बिस्तरो और इत्यादि पर से बात करोगे।" यह सही नहीं दिखाई पड़ा, हालांकि मेरा विश्वास है कि भाई लियो इसके प्रति ईमानदार बने रहने की कोशिश कर रहे थे।

19 लेकिन यह बस सही नहीं दिखाई दिया, क्योंकि देखिए, हमारे प्रभु यीशु ने ऐसा कभी नहीं किया। देखा? और वो अस्पतालों में गया। उस

अस्पताल में एक व्यक्ति था। क्या आपको याद है कि यह बाइबल में कहाँ पर था? बेतहसदा का तलाब। दुर्बल लोगों की बड़ी भीड़ वहां पड़ी हुई थी, अपंग, लंगडे, अंधे, कुम्हलाये हुये, दूत की प्रतीक्षा कर रहे थे। अब, यह एक आत्मिक अस्पताल में था जहाँ लोग दैविक चंगाई की प्रतीक्षा कर रहे थे। और यहाँ दिव्य चंगाई देने वाला स्वयं आया और एक को चंगा किया और वहां से चला गया। इसलिए आप एक मरणहार व्यक्ति, या एक सेवकाई के आने की उम्मीद नहीं कर सकते, जो उससे कहीं बड़ी होगी। देखा? मैं इससे सहमत नहीं हो सकता।

20 परन्तु जैसे ही मैं पीछे मुड़ने लगा, पवित्र आत्मा मुझ पर उतर आया। मैंने लियो से कलम मांगा। मेरे पास एक कागज का टुकड़ा था, और मैंने इसे लिखा। यह कागज आज उसकी खींची जानेवाली गाड़ी में रखा है, यदि आप कभी भी ऊपर जाये जहां पर यह रखा हुआ है। ये वह पुरानी एल्युमिनियम की खींची जानेवाली गाड़ी है जहां पर मेरे कपडे और इत्यादि सामान रखे हुए थे। जैसे ही आप दरवाजे के अंदर जाते हैं, उस खींची जानेवाली गाड़ी के ठीक सामने दाईं ओर एक अलमारी है। ये वहां उसके अंदर रखा हुआ है। मैंने वहीं पर रख दिया। कहा, "किसी दिन तुम इसे बाहर निकाल सकते हो। 'परमेश्वर सेवकाई को कभी नहीं बदलेगा, लेकिन वह सेवकाई के साथ मनुष्य को बदल देगा।'" यही है जिसे किया जाना है।

21 देखिए, मैं—मैं जानता हूँ कि मुझे क्या करना है, लेकिन मैं—मैं—मैं नहीं कर सकता, मैं इसे इस स्थिति में नहीं कर सकता जिस स्थिति में मैं अब हूं। इसलिए, मुझे करना होगा... मेरे भीतर कुछ तो होना है, जो इसे करने के लिए परमेश्वर को लेगा।

22 हम घर वापस जाने का लक्ष्य बना रहे हैं। बच्चे घर से बेहाल हैं, वे सभी वापस जाना चाहते हैं। इसलिए मैं उन्हें वापस लेकर जाने के बारे में सोच रहा हूं, प्रभु की इच्छा हुई तो, हो सकता है शनिवार की सभा के बाद, और हम वापस चले जाएं। वहां से, मैं नहीं जानता। लेकिन मैं जानता हूँ कि जैसे ही मेरे भीतर कुछ होता है, जो मुझे लोगों के प्रति महसूस करने को लगाता है, उससे अलग जो मैं अभी करता हूं। मैंने उन—उन लोगो को अस्वीकार किया, देखें, और मैंने—मैंने उनके साथ अब और कुछ लेना-देना नहीं रखना चाहा। आप समझते होंगें कि मेरा क्या मतलब है, जिसे मैं "आवारा, भटकनेवाले" कहता हूं उनके पास वे काम थे जो उन्होंने किये। मैंने पूरी

सच्चाई के साथ प्रचार किया, और परमेश्वर ने हर तरह से इसकी पुष्टि की थी। "और यदि उन्होंने इस पर विश्वास नहीं करना चाहा, तो इसलिए, तब उन्हें अपने हाल में छोड़ दें।"

23 मैं वहाँ ऊपर जा रहा था, बड के साथ इस आने वाले शरद ऋतु में, वहाँ पर की तैयारी शुरू करते हुए। जंगल में रुकना था, मेरे बाल और दाढ़ी बढ़ने तक। और यदि प्रभु मुझसे चाहता था कि मैं कहीं भी जाऊं, तो वो मेरे लिए एक वचन को भेजेगा, और मैं वहां पर जाकर और इसे पूरा करूँगा।

24 और रास्ते में, एक दिन आते हुए, उसने मुझे रोक लिया। और मैंने देखा जहाँ... मैं किसी बात पर आ रहा था। मैं—मैं अब कुछ तो और करने के लिए अपने रास्ते पर हूँ। और मैंने सोचा, जब मैं घर पहुँचुंगा, जिसे हम ह्रदय से ह्रदय की बात कहते हैं, मैं उसे बनाकर, हो सकता है उसे टेप पर डाल दू, और उसके बाद और जिससे कि आम लोग देख सके कि अचानक से बदलाव क्यों हुआ।

25 अब, तुम बच्चों, आइये बस... आइए प्रार्थना के कुछ शब्द को करेंगें।

26 प्रभु यीशु, हम इस समय के लिए आभारी हैं, यह जानकर कि हम यहाँ इकठ्ठा हुए हैं, जवान और बूढ़े, और मध्य आयु के। और हम इकठ्ठा हुए हैं, अनंतता के इस ओर, एक बार फिर आपके बारे में बात करने के लिए और उन चीज़ों के विषय में जो सनातन जीवन से संबंध रखती हैं।

27 और ये नौजवान लोग जो आज रात यहां बैठे हुए हैं, उनमें से कुछ पढाई–लिखाई कर रहे हैं, कुछ पहले ही पढाई–लिखाई को पूरा कर चुके हैं। लेकिन मैं समझता हूँ, प्रभु, कुछ घंटे पहले कुछ तो घटित हुआ, वो बड़ा झटका, मेरा मतलब बडा धमाका, जिसने वहां टयूसान के उत्तर में ऊपर पहाड़ में उस बात ने जगह ली, जब प्रभु के दूत नीचे उतर आए थे। मुझे याद है कि क्या कहा गया था, और—और विशेष करके युवा लोगो के विषय में। मैं आपसे प्रार्थना करता हूं, प्रभु, हमें इसे समझने में सहायता कीजिये। और होने पाए कि मैं आज रात इन युवा लोगों से कुछ कह पाऊं, जो उन्हें आगे की यात्रा में सहायता करेगा। क्योंकि, प्रभु, हम सभी को इस समय उस सहायता की आवश्यकता है।

28 हमें एक साथ आशीष दीजिये। हमारे पापों को क्षमा करें। और यदि कुछ भी जो हमने किया है जब से हम यहां आये हैं, जिससे आप अप्रसन्न

हुए है, हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमें इसके लिए क्षमा करें। क्योंकि हम आज ये समझते हैं कि हमारे पास कल की कोई गारंटी नहीं—नहीं है। हम नहीं जानते कि कल क्या लेकर आता है। कल का सामना करने के लिए हमें आज अवश्य ही तैयार रहना है। और, पिता परमेश्वर, वहां केवल एक ही जरिया है जो हम करने के लिए जानते है, वो है, कि आपको मिलने की तैयारी करे, क्योंकि धीरे–धीरे हम महसूस कर रहे है कि हम सब ऐसा करने जा रहे हैं। और हमें इसका किसी समय पर सामना करना होगा, या तो शांति में, एक दोस्त या बच्चे के नाई, या एक शत्रु के रूप में। ये सोच से परे है, प्रभु, कि हम आपके अपने प्रिय बच्चों के अलावा कुछ और बने। इन चीजो को प्रदान करे हम यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

29 आज, जब मैं बहुत ही प्रात: इस सुबह को घास काट रहा था, मैंने बाइबल में एक स्थान को पाया, मैंने सोचा कि इस बात को इस समय पर पढ़ना अच्छा रहेगा। और ये एक... हो सकता है बहुत ही जोश से भरा प्रयोग न हो, लेकिन मैंने सोचा कि बस... बस एक—बस कुछ ही मिनट के लिए बात करूं। मैं इसे संत लुका के 18वें अध्याय में से पढ़ना चाहता हूं। सारे चार सुसमाचार लेखको ने इसके लिए लिखा है। 18वा अध्याय और 18वा पद।

> *किसी सरदार ने उस से पूछा, हे उत्तम गुरू, अनन्त जीवन का अधिकारी होने के लिये मैं क्या करूं?*
>
> *यीशु ने उस से कहा; तू मुझे उत्तम क्यों कहता है? कोई उत्तम नहीं, केवल एक, अर्थात परमेश्वर।*
>
> *तू आज्ञाओं को तो जानता है, कि व्यभिचार न करना, और चोरी न करना, झूठी गवाही न देना, अपने पिता... और अपनी माता का आदर करना।*
>
> *और... उस ने कहा, मैं तो उन सब को लड़कपन ही से मानता आया हूं।*
>
> *यह सुन, यीशु ने उस से कहा, तुझ में अब भी एक बात की घटी है: अपना सब कुछ बेच कर... कंगालों को बांट दे;... और तुझे स्वर्ग में धन मिलेगा:... और आकर मेरे पीछे हो ले।*

30 मैं सोचता हूँ, वो शब्द, *आ, मेरे पीछे हो ले,* यह सबसे अच्छी सलाह होगी जिसे मैं दे सकता था यदि मैं दस हजार बच्चों से बात कर रहा होता

था, या कि मैं बस वही बात कर रहा होता था जो मैं अब कर रहा हूं। यह एक आज्ञा है, और सबसे बड़ी बात जो मैं सोचता हूँ कि कभी किसी के सामने रखी गई थी, और विशेष रूप से एक युवा व्यक्ति के लिए, "मेरे पीछे हो ले।"

31 आप किसी के तो पीछे चलने जा रहे हैं। अब, आप बस... आप इसे याद रख सकते हैं। आप किसी के तो पीछे चलने जा रहे हैं। और जिस तरह से आप उस व्यक्ति के पीछे चलते हैं, सुनिश्चित करें कि, ये व्यक्ति किसके पीछे जा रहा है। समझे? हम...

32 पौलुस ने एक समय कहा था, "मेरे पीछे चलो जैसे मैं मसीह के पीछे चलता हूँ।" दूसरे शब्दों में, "बिल्कुल जैसे मैं मसीह के पीछे चलता हूं, तुम मेरे पीछे चलो।"

33 और अब, इस मोड़ पर, जीवन के इस—इस चरण पर जहाँ पर हम सब आते हैं। और बहुत बार आपने मुझे चिल्लाते हुए सुना होगा "आवारा, भटकनेवाले," और इत्यादि। ये, ये ही उम्र है। ये वो उम्र है जिसमें हम रह रहे हैं। यह वास्तव में वे लोग नहीं हैं।

34 वे लोग हम जैसे ही लोग हैं। वे बच्चे यहाँ इन गर्म सलाखों को लेकर, सड़क पर यहाँ–वहां दौड़ते हैं, और जिस तरह से वे है, सिगरेट पीते है और शराब पीते है, और लड़कियां अनैतिक कपड़े पहने हुए, और इत्यादि, वे लड़कियां और लड़के हमारे जैसे ही लोग हैं। समझे? वे मनुष्य हैं। वे प्रेम करते हैं। वे खाते हैं। वे पीते हैं। वो सोते हैं। वे सांस लेते हैं। उन्हें मरना है। वे वैसे ही लोग हैं बिल्कुल जैसे हम हैं। और फिर भी वे कर...

35 वे एक दुष्ट आत्मा से ग्रस्त हुए थे। वे इसे नहीं जानते है। ना ही लोगों के—के वजह से, लेकिन क्योंकि, कभी–कभी, ये कुछ अगुवे होते है जिनके पीछे वे चल रहे हैं, उन्होंने उन्हें गलत रास्ते पर अगुवाही की हैं।

36 अब, आप लड़कियां और लड़के इससे बेहतर जानते हैं। आप जानते है। आपको इससे बेहतर सिखाया गया है। आपके पास बेहतर माता–पिता है, आपको इस तरह के काम करने की तुलना में बेहतर प्रशिक्षण मिला है। आप बेहतर जानते हैं।

37 लेकिन वे नहीं जानते, देखो, क्योंकि वे जिन कलीसियाओ में जाते हैं वे आधुनिक कलीसियाये हैं, आधुनिक ढंग की हैं। और वे—वे केवल ज्यादा लोकप्रिय होने के दिन के लिए जीते हैं। और, ओह, प्रभु! क्या... नैतिकता

उनके लिए नैतिक गुण बन गए है। समझे? सो वे, क्या... जैसा कि मैंने एक बार कहा था, ज्यादा समय नहीं हुआ मैंने एक नाटक में वहां सदोम और अमोरा के देखा, कि इस दुष्ट ग्रसित महिला ने लूत से—से कहा, "जिसे तुम अनैतिक कहते हो, उसे मैं नैतिक गुण कहती हूं।"

38 यीशु ने कहा, "जैसा नूह के दिनों में था, वैसा ही मनुष्य के पुत्र के आगमन पर होगा।" सो हम फिर से उस स्थान पर वापस आ गए हैं।

39 आइए इस व्यक्ति को कुछ मिनटों के लिए देखें, जिसके बारे में हमने पढ़ा। इसमें कोई संदेह नहीं कि यह बालक तुम बच्चो की तरह एक अच्छे घर में जन्मा था। उसे अच्छे माता–पिता के द्वारा पाला–पोसा गया था। क्योंकि, इसने इसे साबित किया, जब यीशु ने उसके सामने परमेश्वर की आज्ञाओं को रखा। उसने कहा, "मैं इन्हें लड़कपन से मानता आया हूँ।" इसने दर्शाया कि वो—वो उसे—उसे सही रीती से पाला–पोसा गया था। उसे बस जबरन ग्रहण नहीं करवाया गया था। और आप जानते हैं, उसे—उसे यह जानने के लिए पाला–पोसा गया था कि क्या सही है, जैसे आप सभी बच्चे हैं। संभवत: है वो एक परमेश्वर का भय माननेवाले माता और पिता के नीचे बढ़ा हुआ, उसे सही शिक्षा देने के—के—के लिए, जब वह एक बालक था। यह अच्छी बात है।

40 हो सकता है, एक छोटे बच्चे के नाई, उसकी माँ की उसके प्रति महत्वाकांक्षा थी कि वह किसी दिन एक महान व्यक्ति बने। उसके पिता अच्छे खासे पैसे वाले थे, जो उन्हें स्कूल पढ़ा सकते थे और—और उसे एक ऐसी शिक्षा दे सकते थे जो वह कर सकता था... कि वह एक अच्छी शिक्षा के साथ बाहर आये और संसार में कुछ बनने में काबिल हो। और इस माता और पिता की ईमानदारी से, इस बालक को शिक्षित कर रहे थे, और शायद वो उसके पढाई–लिखाई पूरा होने के समय पर आया, जैसे आप हैं, देखो, वह समय जब वो स्कूल में से होकर गया और उसकी शिक्षा पूरी हुई। इसमें कोई संदेह नहीं कि वो शायद उस माता और पिता के जीवन का—का गर्व और आनंद था। कोई संदेह नहीं, उन दिनों में, उसके पास अच्छे घोड़े थे, जैसे आपके पास गाड़ियाँ हैं, और आप सभी के जैसे अच्छे पिता और माता थे, जो इसे ध्यान देते है, कि आपके पास अच्छे कपड़े हो, और—और एक कार हो, और... और बस जीवन का आनंद ले, बिल्कुल जैसा कि आज आपके पास है।

41 और पिता और माता... निरंतर प्रार्थना करते थे कि—कि उनका पुत्र केवल एक साधारण सा मनुष्य नहीं बने, कि वो एक विशेष व्यक्ति हो। सभी माता–पिता यही चाहते हैं। क्या आपने यीशु को उस आज्ञा को बताते सुना, "अपने पिता और माता का आदर करना," फिर वो रुक गया? समझे? और किसी भी माता–पिता की यही महत्वाकांक्षा होती है कि वे अपने बच्चों के लिए सबसे अच्छा करें, जो वे कर सकते है, उन्हें शिक्षित करे, उन्हें उन चीजो को दें, जो कि हो सकता है वे उस चीज को लेने में सक्षम नहीं थे। इसी तरह से मैं अपने बच्चों के बारे में महसूस करता हूं।

42 मैं सोचता हूँ, कभी–कभी स्कूल जाते समय, अब; मैं सोचता हूँ, बेकी और सारा और जोसेफ को इन उच्च विद्यालयो और इत्यादि में भेजूं, यह सब कहाँ पर हो रहा है? मैं सोचता हूँ कि मैं उन्हें लेकर और पहाड़ पर वापस चला जाऊंगा, और—और वहाँ ऊपर उन्हें बडा करूंगा... जैसे भारतीय रहते हैं।

43 लेकिन यहाँ पर ये क्या है। जो उस बच्चे में होता है वो ही बाहर आयेगा। कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह कहाँ पर है इसे आना ही है, ये बाहर आने वाला है। यदि वहां उसमें बुराई है, तो ये भारतीय लोगो के गुट में भी बाहर आ जाएगी। यदि ये वहां उसमें अच्छाई है, तो यह किसी भी गुट में बाहर आ जाएगी। समझे? यही जो उस बच्चे में होता है, बच्चे का चरित्र, जो आपके अंदर होता है। और आप जो अब हैं, वह शायद आप अपने पूरे जीवन में रहे होंगे। आप एक बदलते हुए स्थान पर हैं।

44 क्या आप जानते है? छियासी प्रतिशत यीशु मसीह में परिवर्तन, इक्कीस वर्ष की उम्र से पहले किया गया है। ये इसे दिखाता है। आंकड़े ऐसा दिखाते हैं। छियासी प्रतिशत जो मसीह के पास आते हैं, वे इक्कीस वर्ष के होने से पहले आते हैं। आप, उस उम्र को पार करने के बाद, आप और अधिक साँचे में ढल जाते हैं या अपने तरीके से स्थित हो जाते हैं। ओह, ये संभव है, निश्चय ही। वे आते हैं, सत्तर, अस्सी, वर्ष के होते है, लेकिन यह बहुत गिने–चुने होते है। समझे?

45 जब आप छोटे होते हैं तो आप अपने आप को बनाते हैं। आप अपनी महत्वाकांक्षाओ को तय करते हैं कि आप क्या करना चाहते हैं, और आप जीवन में क्या प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं। आप इसके बारे में सोचते है। और जैसा आप सोचते हैं, निश्चित रूप से, आपका दिमाग, यह आपके

दिमाग में स्थित किया जाता है कोई तो अज्ञात चीज़ से जो—जो आपके दिमाग को प्रभावित करती है। और फिर जब आपके दिमाग में यह ठीक तरह से बैठ जाता है, तब आप इसे बोलते है, कि आप इसे करने जा रहे हैं। और उसके बाद आपकी महत्वाकांक्षाएं आपको इस ओर ले जाती हैं।

46 इसलिए, माता और पिता, इस युवक से उम्मीद कर रहे थे... उसकी महत्वाकांक्षा बड़ी हो; इसे पूरा करने के लिए काफी पैसा लगाते है। और उसके बाद, कोई संदेह नहीं, उन्होंने प्रार्थना की कि इस—इस नौजवान लड़के को वो अवसर मिले—मिले। आप देखो, उन्होंने—उन्होंने वो सब किया जो वे कर सकते थे। उसके पास हो सकता है अच्छे घोड़े हो, और—और हो सकता है वो महिलाओं के बीच बहुत ही लोकप्रिय रहा हो।

47 और जो पुरुष के लिए होता होगा, जो महिला के लिए होता होगा, इसके विपरीत, देखें, क्योंकि हम मनुष्य जीवन के लिए, प्राणों के लिए, पुरुषों और महिलाओं दोनों के बारे में बात कर रहे हैं।

48 और फिर, इस सारे अवसर के बाद जो लड़के के पास थे, देखिए, वो उस "आसान रास्ते," पर आगे बढ़ गया, इसे हम ऐसा कहते हैं, ऐसे स्थान पर जहां उसे बहुत ज्यादा चिंता करने की आवश्यकता नहीं थी। उसके माता–पिता के पास पैसे थे। उसके पास... वह बहुत ही... वह एक शासक बन गया। बाइबल इसका यहाँ उल्लेख करती है... नौजवान, धनी युवा शासक के रूप में। और हम देखते हैं... युवा अवस्था में, हो सकता है उसकी किशोरावस्था में, बस वो स्कूल से निकला ही था, पढाई–लिखाई पूरी होने के कुछ ही समय पहले, हो सकता है, कुछ हफ़्ते पहले, या ऐसा ही कुछ और, वह बन गया... वो एक शासक था, और उसके पास वह सब कुछ था जिसकी वो इच्छा रख सकता था।

49 और वो लड़का कोई आधुनिक दिखावटी वाला नहीं था। वो एक अच्छा छोटा लड़का है। मैं सोचता हूँ, जब लूका ने इसके बारे में लिखा, या मरकुस ने, मैं सोचता हूँ कि यीशु ने उसकी ओर देखा और गहरी साँस भरी, क्योंकि उसने उससे प्रेम किया। देखा? उस छोटे लड़के के बारे में कुछ तो है। इस छोटे लड़के के साथ एक अच्छा व्यक्तित्व जुडा हुआ था। वो कहाँ से आया? एक अच्छे परिवार में से, जिसने उसे परमेश्वर की आज्ञाओ को सिखाया, और देखा गया कि वो उन्हें मानता है। और उसने इसे उसके लड़कपन से किया।

50 और उस लड़के के पास एक महत्वाकांक्षा थी; वह अनन्त जीवन को चाहता था। उसने कहा, "अच्छे गुरु, मैं अनन्त जीवन को पाने के लिए क्या कर सकता हूँ? "

51 देखो, संसार में आपको सब कुछ मिला है, फिर भी आपके अंदर का प्राण आपको बताता है कुछ तो ऐसा है जिसकी आपको आवश्यकता है, जो आपको नहीं मिला। केवल धन–दौलत के द्वारा... मेरा मतलब, यह हमेशा धन होना जरूरी नहीं होता है। ये हो सकता है लोकप्रिय होना हो, कोई सुंदर लड़की का होना, उसके पास सुंदरता हो जिसके बारे में वह सोच सकती है। हो सकता है वह स्कूल में बहुत लोकप्रिय हो। हो सकता है कि लड़के को अपनी पसंद की लड़की मिल सके जो वो चाहता है। वो महसूस करता है कि वो एक तरह से सुरक्षित है। यह सुरक्षा नहीं है। वह बाग़ में फूल की तरह ही मुरझा जाएगा। समझे? यह चला जाएगा। ज्यादा समय नहीं रहेगा। सूरज के बस कुछ बदलाव होते है, वह चला जाता है, उसके बाद आपके पास एक प्राण होता है जिसे अनंतता के लिए रहना है।

52 और इस नौजवान छोटे लड़के का अवश्य ही अच्छा व्यक्तित्व था, क्योंकि उसने अपने आप को प्रभु यीशु के समक्ष लाया, जानते हुए वो अपने घुटने के बल झुक गया। उसने कहा, "अच्छे गुरु, मैं अनन्त जीवन पाने के लिए क्या कर सकता हूँ? "

53 उसने कहा, "तुम मुझे अच्छा क्यों कहते हो," कहा, "जब कि तुम जानते हैं कि केवल एक ही अच्छा है, और वो है परमेश्वर? " देखा? इस बात में उस नौजवान ने क्या व्यक्त किया? कि वो परमेश्वर था। समझे? उसने कहा, "तू आज्ञाओं को जानता हैं। उनका पालन करो।"

कहा, तो उसने कहा, "कौन सी आज्ञाये, गुरु? "

54 उसने कहा, "वे आज्ञाये कि 'अपने पिता और माता का आदर करना,' और इत्यादि।"

55 उसने कहा, "इसे मैंने अपने लडकपन से किया है। देखो, मैंने इसे किया है।"

56 उसने कहा, "अब भी तुम में एक चीज की कमी है। जाओ, जो कुछ तुम्हारे पास है उसे बेच दो और गरीबों में बांट दो, और मेरे पीछे हो ले।"

57 क्या ही अवसर है! उनमें से एक पतरस, याकूब या यूहन्ना हो सकते थे। देखो, उस छोटे लड़के को प्रशिक्षित किया गया था और ठीक से पालन–

पोषण किया गया था, और उसका उपयोग करने के लिए मसीह के समक्ष रखा गया था उन सभी क्षमताओ में जो उसके पास उसमें थी, उपयोग करने के लिए, हो सकता है शिक्षित होना, युवा होना, धनी, प्रभाव, जहाँ पर वह सुसमाचार को व्यक्त कर सकता था, और फिर भी इसे अस्वीकार कर दिया। उस जवान लड़के के लिए यह क्या ही एक—क्या ही एक उतावलेपन की बात थी! समझे?

58 "मेरे पीछे हो ले।" अब देखिए, उसे किसी के तो पीछे जाना था। अब, उसे या तो उन लोगों के प्रभाव के पीछे जाना था जिनसे वो जुड़ा हुआ था, किसी नौजवान महिला के प्रभाव के, या लड़कों के एक दल का कोई प्रभाव, जिससे वह जुड़ा हुआ था, या स्कूल में उसके सहकर्मी, या तो यीशु मसीह के पीछे चलना था। अपनी सारी अच्छाई में, फिर भी वह जानता था कि उसके पास अनन्त जीवन नहीं है।

बच्चों, यही है जो आपको सोचना है। समझे?

59 अब आज रात लड़के की ओर देखो, कि वो क्या हो सकता था, और वो क्या है, वो आज रात को क्या है। वह कहीं तो है। वो एक मनुष्य था। वह कहीं तो है। वह न्याय के लिए प्रतीक्षा कर रहा है। वह उस दिन पर न्याय का सामना करने की प्रतीक्षा कर रहा है, उसी अवसर के ठुकराने पर जो आप छोटे बच्चों के समक्ष रखी गयी है, आप लगभग उसी परिस्थिति में है; अच्छे बच्चे, अच्छा व्यक्तित्व, अच्छे पिता और माता, जो आपके पास है, यहाँ तक काम करने भी जरुरत नहीं जब तक आपकी ईच्छा ना हो। देखा?

60 लेकिन कुछ और भी है जो इसके साथ जाता है। इसके साथ कुछ तो और जाता है। वो शब्द, आज रात, जो कभी भी नहीं मरता। यह अब भी हर एक युवक के लिए, हर एक युवती के लिए एक चुनौती है, "मेरे पीछे हो ले।" समझे?

61 शब्द नहीं मरते। जब भी आप कुछ बोलते है, बस याद रखना, चाहे इसे आपकी कार में गुप्त में बोलते हो, चाहे ये पुलपीट में से हो, चाहे ये आपके प्रेमी या प्रेमिका के साथ सड़क के किनारे पर हो, जहां कहीं भी है, वो शब्द कभी नहीं मरता। इसे—इसे हमेशा के लिए जीवित रहना है।

62 जब मैंने उस लड़की को देखा कि मैं... एक रात को दर्शन में मैंने देखा, युवा सुंदर लड़की, जो हॉलीवुड की अभिनेत्री है, और मैंने उसे मरते हुए

देखा, वो सहायता पाने की कोशिश कर रही थी। कुमारी मोनरो, उसका दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हुई थी। और फिर यह दो वर्ष पहले की बात है, और मैंने उसे मरते हुए देखा था। और सपने के दो दिन के बाद वो मर गई।

63 फिर, एक रात, मैंने उस लड़की की आवाज को सुना। कैसे? बच्चे मुझसे कह रहे थे, "पिताजी, आप पूरे समय वहां उस वापस ना लौटने वाली नदी, सिनेमा को चलाना।" कहा, "वे आज रात ऐसे ही एक नाटक को करने वाले है।" उन्होंने मुझे बताया कि किसी एक रात को यह शुरू होगा, समय से एक या दो सप्ताह पहले। मैंने सोचा, "तो ठीक है, मैं इसे देखना चाहता हूँ, क्योंकि मैं वहां उस नदी में दो या तीन बार जा चुका हूँ; लगभग पाँच बार, मैं सोचता हूँ।" तो, मैं—मैं इसे देखना चाहता था।

64 और कुमारी मर्लिन मुनरो ने इसमें अभिनय किया। तो, वो वही लड़की थी जिसे मैंने दर्शन में देखा था। और वहाँ पर वो सिनेमा में थी, और वो चाल–चलन, वही अभिनय जो उसने *वापस ना लौटने वाली नदी* पर किया था, जब उसने उस सिनेमा में काम किया था, शायद पंद्रह वर्ष पहले। यह एक पुरानी सिनेमा थी, शायद बीस वर्ष पहले की। और उसे मरे दो वर्ष हुए है। और वहाँ पर वो फिर से जीवित है, उसका हर एक काम और हर एक शब्द। समझे? यह अभी भी उस चुंबकीय टेप में रहता है जब तक कि इसे फिर से नही चलाया जाता है।

65 इतना ही नहीं, हम जो कुछ भी कहते हैं वह बना रहता है। हमारे द्वारा बोला गया प्रत्येक शब्द मर नहीं सकता। कमरे में से होते हुए वो शब्द अभी है, लोगों के रूप में। टेलीविजन इसे पकड लेता है। आप ठीक यहाँ पर बोल सकते हैं, और वे आपको उसी क्षण दुनिया भर में सुनते हैं। यहाँ तक इससे पहले कि आप इसे इस कमरे में सुन सकें, यह इलेक्ट्रॉनिक के द्वारा, दुनिया भर में चला जाता है।

66 और परमेश्वर का बडा पर्दा उसे पकड़ लेता है। और हर एक प्रतिक्रिया और हर एक कार्य जो आप करते हैं, आपको इसका न्याय में सामना करना होगा। देखा? तो, नौजवान लोगो, ये अच्छी बात है कि रुक जाये, इन बातों के बारे में सोचें, देखो, क्योंकि आप इसे फिर से देखने जा रहे हैं। देखा?

67 आइए इस युवक पर निगाह रखे, जो अवसर उसके पास था, और खुद को उसके स्थान पर रखें। और एक लड़की, बिल्कुल वैसी ही जैसे बेकी

और मर्लिन है, ठीक वैसे ही जैसे आप उसके स्थान पर खड़े थे, और आप उस आवाज को सुन सकते है जो अब भी जीवित है।

68 यह अभी भी जीवित है। यह अभी भी घूम रही है। विज्ञान कहता है, "अब से बीस वर्षों में, वे उसकी अक्षर प्रति अक्षर आवाज़ को ग्रहण करेंगे, जिसे उसने दो हजार वर्ष पहले बोला था।" यह अब भी जीवित है। समुद्र में गिरे कंकड़ की तरह, लहरे कभी भी नहीं थमती है। वह किनारे पर जाती है, हजारों मील, और वापस मुड़ती है।

69 जब किसी आवाज को एक बार इस तरह हवा में बोला जाता है, तो वो कभी नहीं मरती। वहां न्याय में आप कुछ भी नहीं कह सकते। ते ठीक वहां पर है। वहां यीशु मसीह की आवाज होगी उस नौजवान को आज्ञा देते हुए, "मेरे पीछे हो ले," और वो मुड रहा है, जो उस परदे पर होगा, दुख से भरा, क्योंकि उसके पास बड़ा अधिकार था। देखा? हम हो सकता है नहीं... हमेशा ही पैसा नहीं होगा। यह अन्य चीजें हो सकती हैं। समझे? जो कुछ भी हम उस पुकार को सुनने से ज्यादा प्रिय समझते हैं, देखो, तो ये हमारे लिए एक पैसे की तरह ही बन जाता है। यह कुछ तो ऐसा बन जाता है जो हमें भ्रष्ट कर देता है।

70 अब आइये उसके पीछे चलते हैं। क्या होता है जब वो मुडकर चला जाता है? उसने मसीह की उस आवाज को नहीं सुना। वह अपने दोस्तों के साथ चला गया था।

71 जो, आप जो बच्चे है, आप सभी अच्छे बच्चे हैं, और आप बाध्य हैं कि आपके पास दोस्त हो, लेकिन इसे ध्यान दे कि आपके पास किस तरह के दोस्त होते है। यदि वह दोस्त मसीह के पीछे चलता है, तो उस दोस्त के साथ जाये। मसीह के भी पीछे चले। लेकिन यदि ऐसा नहीं है, तो इसे ना करे।

72 आइए उसकी ओर देखें। हम देखते है, उसने शायद अपने दोस्तों को रखा था। वह एक महान शासक बन गया। तब वो एक शासक था। बाद में, हम उसे इतना फलते-फूलते देखते हैं इतना तक कि उसने—उसने—उसने अपने सामान को रखने के लिए अतिरिक्त बाड़े बनवाये थे। और फिर उसने मन ही मन कहा, जब वह बूढ़ा हो गया, और उसने जवानी के जीवन की बातों की चिन्ता की और बाते जो गुजर चूकी थी, उसने जो कुछ किया था, हो सकता है, मनोरंजन।

73 जब एक बूढ़ा पुरुष या एक बूढ़ी स्त्री, मेरी तरह, मेरी पत्नी की तरह, आपके माता और पिता, शायद ऐसा कुछ भी नहीं है जिसके बारे में वे सोच सके। वे ऐसा नहीं सोच सकते, वे बाहर जाकर और—और सड़कों पर ऊपर–नीचे दौड़ना नहीं चाहेंगे, आप समझते होंगे, जैसे—जैसे युवा लोग करेंगे, और युवा महिलाएं करेंगी। एक दुसरे को मिलने की तारीख देते है, और जो आपकी कौन पत्नी बनेगी या आपका पति बनेगा, या, देखो, अब माता और पिता के दिमाग में यह बातें नहीं आती है। वे, उनके पास बच्चे है, जिस पर वे रुचि रखते हैं। कल आप सब यही बनने जा रहे है, यदि कोई कल है तो। समझे?

74 और तब उस व्यक्ति को देखें, हो सकता है... हो सकता है उसने कभी विवाह भी नहीं किया हो। और, हालांकि, वह एक बड़ा शासक था। और वो बैठा...

75 और जैसा कि अब भी ये यरुशलेम में होता है, आज भी, वे घर के छत पर भोजन करते हैं, दिन के इस समय में, जब ये ठंडा हो जाता है, शाम के समय में।

और हम एक और उसके साथ किरदार को पाते हैं: एक भिखारी।

76 और वो पुरुष, उसे ऐसे पाला–पोसा गया था कि—कि पड़ोसी का आदर करना, और दूसरों के साथ वैसा ही करना जैसा दूसरे तुम्हारे साथ करते हैं। देखिए, मसीह की उस पुकार को ठुकराते हुए, अंत में... ऐसा दिखा, एक लड़के को ऐसे घर में पाल–पोस कर बढ़ा किया गया, जो उससे कभी अलग नहीं हुआ होगा, लेकिन इसे किया। इसे किया।

77 और वहां फाटक के पास लाजर नाम का एक मनुष्य पड़ा हुआ था, उससे खाने के लिए मांग रहा था, और व्यर्थ में था। वो उन टुकड़ों को खाता होगा जो उसने झाड कर गिराए थे, ना ही केवल भिखारी के लिए, लेकिन कुत्तों के लिए भी। और वो घावों से भरा हुआ था। लेकिन वो मनुष्य उस वक्त समाज में इतना चमकाया गया था, उसके पास अब कोई सहनुभूति ही नहीं रही थी। वह सुन्न हो गया था, क्योंकि उसने मसीह के उस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था।

78 और हो सकता है इस बार एक शाम को बढ़िया मदिरा के साथ अपने लिए सेकी हुई रोटी बनवा रहा था, और सुंदर स्त्रियां, आभूषण पहनी हुयी, उसके चारों ओर थी, और इसी तरह की चीजें, जो उसके पूरे ह्रदय की

इच्छा से कर सकता था, और मदिरा पीते हुए। फाटक पर एक भिखारी पड़ा हुआ था।

79 और इससे पहले दिन का उजाला उदित हो, अगली सुबह को, वो नरक में था, वो उस लाजर के लिए वो चिल्लाने लगा कि आकर उसकी जुबान पर पानी को डाले। दृश्य बदल गया था।

80 और आप ध्यान दें, जब उसने कहा, "पिता अब्राहम," अब, उसे अब भी याद था कि अब्राहम यहूदियों का पिता था। उसने कहा, "पिता अब्राहम, उस भिखारी लाजर को उसकी अंगुलियों पर थोड़ा सा पानी लेकर, मेरे होठों पर लगाने के लिए यहां भेज दीजिये। ये आग की लपटें तडपा रही हैं।"

81 और उसने कहा... और अब्राहम ने कहा, "ऐसा है, मैं यह नहीं कर सकता हूँ," ऐसे ही बहुत से शब्दों को। "और इन सब बातो के अलावा, तुम देखो, तुम्हे जीवन में अवसर मिला था।"

82 उसके पास ऐसा कब था? जब यीशु ने कहा, "मेरे पीछे हो ले।" लेकिन उसने इसे ठुकरा दिया। वह उस रास्ते पर चला गया जिससे कि वह पैसा कमा सके। और यह ठीक बात है, पैसा कमाने में कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन जब आप इसे कर रहे है तो यीशु के पीछे–पीछे चले। समझे? और वह भीड़ के साथ दूसरे रास्ते पर चला गया था।

83 और आप देखते है, उसने कहा, और अब्राहम ने कहा, "और इस सब के अलावा, वहां तुम्हारे और उसके बीच एक गहरी दरार बनी हुई है, कि न तो कोई मनुष्य कभी भी पार हुआ है, और ना ही कभी होगा। वे जो वहां पर हैं वे यहां नहीं आ सकते है और ये जो यहां है वहां नहीं जा सकते। इसे निर्धारित किया गया है। किसी मनुष्य ने पार नहीं किया है या पार नहीं करेगा।"

84 फिर उसकी बात को सुनना। वह उस वक्त एक सुसमाचारक बनना चाहता था। वो पुकार जो यीशु ने उसे दी थी, कि—कि उसके पीछे चले, वो थी, और एक प्राण को जितने वाला बने, एक नौजवान मनुष्य के नाई, फिर से उसके पास लौटे। उसे ये याद आया, कि वहां पहले धरती पर, उसके और पाँच भाई थे, और वह नहीं चाहता था कि वे इस स्थान पर आये।

85 उसने कहा, "तब लाजर को वापस भेज दीजिये कि जाकर मेरे भाइयों को बताये कि इस मार्ग से न आये।" दूसरे शब्दों में, "उस पुकार को स्वीकार करे कि, 'मेरे पीछे हो ले।'" देखा?

लेकिन उसने कहा, "वे, वे ऐसा नहीं करेंगे।"

86 उसने कहा, "हाँ, यदि कोई एक लाजर के समान मरे हुओं में से जिलाये, और वापस जाकर और उन्हें बताये।"

87 आप देखो, ये दिखाता है कि हमारे मरने के बाद भी आप अब भी सुधि में हैं। उसे याद आया। अब्राहम ने कहा, "पुत्र, याद करो, तुम्हारे दिनों में।" देखा? आप अब भी याद करते हैं। आप अपनी याददाश्त को नहीं खोते हैं। आपको याद आता है।

88 और वे यादें जो मनुष्य के पास हो सकती है, और अब भी उसी स्थान पर, उसे याद आया वो अवसर जो उसे मिला था, यीशु से यह कहते हुए सुन रहा था, "मेरे पीछे हो ले।" लेकिन वो गलत व्यक्ति, गलत भीड़ के पीछे–पीछे चला। वह गलत भीड़ में आ गया, और गलत स्थान पर चला गया, गलत अनंतता में समाप्त हो गया; उस दिन पर परमेश्वर से सदा के लिए, अस्तित्व से मिटा दिया जाएगा।

89 यीशु ने भी एक बड़े ध्यान देने वाले शब्द कहे, "'भले ही कोई एक मरे हुओं में से जी उठे और वापस जाये, तौभी वे नही मानेगे। क्योंकि, उनके पास मूसा की व्यवस्था है, और यदि उन्होंने उसकी बात नहीं सुनी, तब वे उसकी नहीं सुनेंगे, भले ही कोई एक मरे हुओं में से जिलाया भी जाए। वे नहीं मानेगे।'"

90 क्यों? क्यों? क्या व्यवस्था ऐसा कुछ बताती है? जी हाँ। "जो कुछ तुम चाहते हो, कि मनुष्य तुम्हारे साथ करें, तुम भी उन के साथ वैसा ही करो।" और वो व्यवस्था के नीचे रहता था। लेकिन उसने भिखारी को फाटक पर ही मरने दिया। देखा? वो—वो परमेश्वर की आज्ञाओं के नीचे रहा था, और फिर भी उस महान अनन्त जीवन को देखने से चूक गया।

91 बच्चो, तुम, हर एक जन, मेरे बच्चो जैसे दिखाई देते हो। तुम, हर एक जन, बस मेरे पुत्र और कन्या की तरह ही दिखाई देते हो। एक तरह से, तुम मेरे बच्चे हों, आत्मिक रूप से बोल रहा हूँ। ये सही है। प्रभु परमेश्वर ने—ने आपके प्राणों को मेरे जिम्मेदारी में डाल दिया है, क्योंकि आप आते है, मेरी

बातो को सुनते है। आप मुझ पर विश्वास करते है। समझे? और वचन के एक अभिप्राय में, आप मेरे पुत्र और कन्या हो। ये सही है।

92 हमेशा याद रखें, परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना बहुत बड़ी चीज है। एक अच्छे घर में पालन–पोषण होना परमेश्वर की ओर से एक विरासत है। और आपके जैसे व्यक्तित्व वाले अच्छे बच्चे बनना, अच्छा है। शिक्षा को प्राप्त करना बहुत अच्छा है। ये बहुत अच्छा है यहाँ तक इस आजाद देश में रहना। हमारे पास धन्यवादित होने के लिए बहुत सारी चीजें है।

93 लेकिन एक चीज है जिसके लिए आप बस उतराधिकारी नहीं होते है। आपको इसे स्वीकार करना होगा। ये वो अनन्त जीवन है। और आप ऐसा केवल यीशु के पीछे चलने के द्वारा करेंगे, एक नए जन्म के अनुभव के द्वारा करेंगे। इसका तिरस्कार न करें।

94 छोटी सी कहानी एक बार मैंने एक मनुष्य के बारे में सुनी थी, ओह, वो गरीब था। ओर वो—वो हमेशा चाहता था... यह एक छोटी सी काल्पनिक कहानी की तरह है। हालाँकि, यह हमेशा मेरे साथ रहती है। और एक दिन उसने एक फूल को उठाया। और वो जादूई फूल था, और फूल ने उसे उत्तर दिया, और कहा, "तुम जीवन भर गरीब रहे हो।" उसने कहा, "अब जो तुम चाहो मांग लो, और वह तुम्हें दिया जाएगा।"

95 उसने कहा, "उस ओर का वो पहाड़ खुल जाए, और मैं वहां पर जा सकूं और उस पहाड़ के अंदर सोना पा सकूं।"

96 "अच्छी बात है," फूल ने कहा, "तुम जहां कहीं भी जाओगे मुझे अपने साथ ले जाना होगा। समझे? तुम्हें मुझे अपने साथ ले जाना होगा। इसलिए, मैं जहां भी रहता हूं, तुम जो चाहो मांग सकते हो।"

97 वह पहाड़ की ओर चलकर गया, और पहाड़ खुल गया, और वो अंदर चला गया। अलमारियां सोने और हीरो से भरी हुई थीं, जैसे छोटी काल्पनिक कहानी आगे बढती है। उसने फूल को नीचे रख दिया एक—एक मेज पर, मेरा मतलब, एक चट्टान पर। और वो दौडा और एक बहुत बडे रत्न को झपट्टा, और उसने कहा, "मुझे अवश्य ही जाकर इसे अपने दोस्तों को दिखाना चाहिए। और अब मैं एक धनी मनुष्य हूँ। मेरे पास अब सब कुछ है। मुझे इसे अवश्य ही दिखाना चाहिए।"

98 तो फूल ने बोला, "परंतु," कहा, "तुम मुख्य चीज को भूल गए हो।"

99 तो वह वापस दौड़ता है और उठाता है, कहा, "अच्छा, हो सकता है मैं—मैं सोने का एक टुकडा ले लूंगा। मैं चाँदी का एक टुकड़ा ले लूंगा।" और सो उसने कहा, "मैं—मैं जल्दी–जल्दी करूँगा, लोगों को यह बताने के लिए कि मैं कितना धनी हूँ, और मेरे पास क्या–क्या है।"

100 और वह द्वार पर गया, और फूल ने कहा, "लेकिन तुम मुख्य चीज को भूल गए।"

101 तो वो फिर से भाग कर वापस जाता है। उसने कहा, "यहां हम हर प्रकार के पदार्थो को देखते है।" तो, उसने एक पत्थर को उठा लिया। उसने कहा, "मैं जाकर, इस पत्थर को लूंगा और लोगों को दिखाऊँगा कि यह पहाड़ किस तरह के पत्थर से बना है, जिससे कि मैं इसकी ओर वापस जाने का रास्ता ढूंढ सकू।" समझे?

102 और वो दरवाजे से बाहर निकलने लगा, और फूल ने कहा, क्योंकि... इसके अंतिम बार, "तुम मुख्य चीज को भूल गए हो।"

"ओह," उसने बोला, "ओह चुप हो जाओ।"

103 देखो, वो इसे अब और नहीं सुनना चाहता था, "मुख्य चीज भूल गए हो," और वह दरवाजे से बाहर भाग गया। और जब वो चला गया, तो दरवाजा उसके पीछे बंद हो गया, वो फूल अंदर ही था। वो मुख्य चीज वो फूल था। देखा? मुख्य चीज वो फूल था।

104 वर्षों पहले, एक बालक के नाई, जैसा कि आप सभी यहाँ हैं, यहाँ ऊपर पशु फार्म पर, फीनिक्स के ऊपर। मैं एक पूर्वानुमान के अंश को पढ़ रहा था, एक खोज–बीन करने वाले के बारे में एक अखबार को पढ़ रहा था। उस वक्त यहां से होकर जाने के लिए सड़कें नहीं थीं, बस रेत के छोटे–छोटे रास्ते थे। वे अभी भी यहां बहुत अधिक खोज–बीन करते हैं, आप जानते होंगे।

105 लेकिन यह खोज–बीन लगाने वाला व्यक्ति वहां आया था, और उसे बहुत सा धन मिला था, और उसने बहुत सारे सोने को पाया था। और वो उसके मार्ग पर था, वो एक झोपड़े में रुका हुआ था जो उसने पाया था। और उसके पास एक कुत्ता था, और, वो—वो कुत्ता, बाहर की तरफ बंधा हुआ था। और उस रात को, एक डाकू उसका पीछा कर रहा था, जिससे कि इस सोने को हासिल कर सके। उसने इस सोने को पुरानी स्पेनिश

खदानों में से उठाया था, और वो इसके साथ वापस आ रहा था। और कुत्ते ने भौंकना आरंभ किया।

106 और उस व्यक्ति ने उस कुत्ते से परेशान होना नहीं चाहा। उसने कहा, "चुप हो जा।" उसने कहा, "कल, मैं सोने को शहर में—में लेकर जाऊँगा।" और मैं... कहानी की शिक्षा ऐसी थी। "और मैं इसे तौलूँगा, और मैं एक धनी व्यक्ति बन जाऊंगा। और मैं बढ़िया कारें खरीदूंगा। और मेरे पास हर तरह की महिलाएं होगी और बड़ी–बड़ी पार्टियां होंगी। और मैं एक धनी व्यक्ति बन जाऊंगा, क्योंकि मैं पहले ही दावा कर चुका हूं। मुझे यहां पर सोना मिला है, इसमें से बहुत कुछ।" और कहा, "मैं... "

107 और जब वह सोने की कोशिश कर रहा था, तो कुत्ता भौंकता ही रहा, क्योंकि कुत्ते ने डाकू को आगे आते हुए देखा, चुपके से वहां आते हुए, वो उस खोज–बीन करने वाले के सो जाने की प्रतीक्षा कर रहा था।

108 वो फिर से उठ गया, और फिर से कुत्ते पर चिल्लाया, कहा, "चुप हो जा।" और बेचारा कुत्ता दबी हुई आवाज़ में कराहने लगा और अपने मालिक को चेतावनी देने की कोशिश की कि खतरा छिप कर—छिप कर बैठा हुआ था। और जब वह...

109 अगली बार, जब कुत्ता भौंकने लगा, तो खोज–बीन करने वाले के पास एक बन्दूक थी। उसने परेशान होना नहीं चाहा, इसलिए वह बस उठा और कुत्ते को गोली मार दी। और उस खोज–बीन करने वाले को उस रात डाकू ने मार डाला। उसके सारे सुंदर सपनों ने उसका कोई भला नहीं किया। क्यों? उसने उस आवाज को शांत कर दिया जो उसे चेतावनी दे रही थी।

110 वहां कोई भी कुछ भी करने की कोशिश नहीं कर सकता, तुम जो बच्चे हो, कभी भी कुछ गलत नहीं कर सकोगे, बड़े होने के बाद जिस तरह से आप हैं, जब तक कि आपको महसूस नही होता, कोई तो आपको इसे नही करने के लिए कह रहा है। अब, उस आवाज़ को कभी भी शांत न करें जो आपको चेतावनी दे रही है।

111 और हमेशा याद रखना, उस आवाज को स्वीकार करे जिसने कहा, "मेरे पीछे हो ले," और आप हमेशा ही सही बाहर आयेंगे। मुझे विश्वास है कि आप करेंगे। मुझे आप पर भरोसा है। लेकिन केवल हमेशा याद रखें कि यीशु, वो आवाज, आज रात धरती पर जीवित है।

112 ठीक वैसे ही, जैसे हर एक आवाज और हर एक शब्द जो हमने बोला था, वो अब भी जीवित रहता है, जब वह आवाज बाहर जाती है उस हवा की वायु तरंग पर। वो... देखो, आपके पास यहां एक ट्रांसमीटर या प्रसारक है जो इसे बाहर भेजता है। आप वो ट्रांसमीटर या प्रसारक हैं जो इसे बाहर भेजते है। अब इसे पकड़ने के लिए स्टेशन या केंद्र की आवश्यकता होती है।

113 और यीशु परमेश्वर के वचन का प्रसारक था, क्योंकि वही वो—वो परमेश्वर की त्रिएकता था जो एक मनुष्य में प्रकट हुई। वह संपूर्ण परमेश्वर और संपूर्ण मनुष्य था।

114 और परमेश्वर का त्रिरूप, परमेश्वर के गुणों का त्रिरूप, पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा होने के नाते, जो उस एक मनुष्य, यीशु मसीह में प्रतिनिधित्व किया गया था। सो, वहाँ, वो वचन था।

115 और वो प्रसारक था जिसने कहा, "वह जो मेरे वचनों को सुनता है, और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनन्त जीवन है।" देखा? "मैं तुम से सच कहता हूं, जो मेरे वचनों को सुनता है, और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनन्त जीवन है।" अब, वो शब्द एक प्रसारक से निकल गया है। उसने एक दिन कहा, "मैं तुम से सच कहता हूं, कि यदि तुम इस पहाड़ से कहो, 'हट जा,' और अपने मन में सन्देह न करो, लेकिन विश्वास करो कि जो तूमने कहा है वह पूरा होगा, तो जो तूमने कहा है वह तुम्हे मिल सकता है।"

116 अब, यदि आप इसे लेने के लिए केंद्र बन सकते हैं, तो अपने अंदर किसी नियंत्रण के द्वारा, विश्वास के द्वारा, तो यह आपको सीधे परमेश्वर के दायरे में, नए जन्म की ओर ले जाएगा, और आप फिर से जन्म लेंगे। तब आप हमेशा ही संपर्क में रहेंगे, उस आवाज को सुनने के लिए जो खतरे के समय आपको हमेशा चेतावनी देगी। जब चीजें गलत हों, गलत हो रहा हो, तो ये हमेशा आपके लिए एक चेतावनी होगी। और फिर, किसी दिन उस धनी युवा लड़के की तरह होने के बजाय, जिसके बारे में हम बात कर रहे हैं; आप प्रेरित पतरस, पौलुस, या किसी ऐसे मनुष्य की तरह बनेंगे जिसने यीशु मसीह के लिए प्राणों को जीता। आप ऐसा करे, बच्चों।

क्या हम प्रार्थना कर सकते हैं?

117 प्रभु यीशु! आने वाले कल के नौजवान, पुरुष और महिलाये, यदि कोई कल है तो। हमें उन्हें अवश्य ही प्रशिक्षित करना चाहिए, प्रभु। हम उन्हें

प्रशिक्षित करने के लिए उस बोझ को महसूस करते हैं, जैसे एक आने वाला कल होगा। यदि नहीं है, तो आज का दिन है।

118 और फिर, पिता, हम जानते हैं कि आपकी दृष्टि में किसी को भी स्वीकार नहीं किया गया है। कोई देह महिमा नहीं कर सकती। ना ही कोई शिक्षा, भले ही ये चीजें कितनी ही अच्छी हों सकती है, ना ही अच्छे काम, ना कोई धार्मिक संस्थान, ना कोई मनोविज्ञान, ना ही कोई भी चीज परमेश्वर की पुष्टि नहीं कर सकती है सिवाय पवित्र आत्मा के। वो ही साधन है, स्वयं परमेश्वर, अनन्त जीवन के रूप में, जो हमारे पास एक व्यक्तिगत तौर से आ सकता है। और हम इसके लिए आभारी हैं।

119 वास्तव में व्यक्त किया गया जब पतरस ने अंगीकार किया। यीशु ने उससे कहा, "मांस और लहू ने तुम पर इसे प्रगट नहीं किया। तुमने इसे किसी धर्म विद्यालय में कभी नहीं सीखा। तुमने इसे किसी स्कूल में कभी नहीं सीखा।" यह एक व्यक्तिगत चीज है, जिसे प्रत्येक व्यक्ति को पाना होता है। आपने कहा, "इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊंगा, और अधोलोक के फाटक इस पर प्रबल नहीं हो सकेंगे।" हम इसके लिए आभारी हैं, प्रभु।

120 वो आवाज़ आज रात भी जीवित है। और वह अभी भी विश्वास के केंद्र, बाहरी केंद्र, सुनने वाले केंद्र, ग्रहण करने वाले स्टेशन है, जो इसे स्वीकार कर सकते हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि इन बच्चों में से हर एक उनके ह्रदय में इसे ग्रहण करेगा, प्रभु। और इसे याद रखें, वे अच्छा होने के लिए क्या नहीं करते हैं, लेकिन वे... हम जो करते हैं, उसके आधार पर परमेश्वर हमारा न्याय नहीं करता, लेकिन उसके द्वारा करता है जो हमने ग्रहण किया है। हम हमारे विश्वास के द्वारा बचाए गए हैं, ना कि हमारे कामों में। इसलिए हम प्रार्थना करते हैं, स्वर्गीय पिता, कि वे अब दर्शन को पकड़ लेंगे, और उस महान अनंत निमंत्रण को देखेंगे और सुनेंगे, "आ, मेरे पीछे हो ले।"

121 होने पाए उनमें से हर एक जन, प्रभु, दुनिया की सारी चीजों से अलग हो जाये, यह मरणहार, तुच्छ जीवन। जैसा कि वे आज रात यहाँ हैं, और उनके सुनहरे भूरे बाल है, और उनमें से कुछ उनके काले बालों के साथ है, और काली आँखें, और नीली आँखें, और जो उनकी अब तक की उस सबसे अच्छी तैयारी में बैठे हुए है।

122 और जैसा कि महान लेखक ने कहा, "अपनी जवानी के दिनों में अपने सृष्टिकर्ता को याद करो, जबकि बुरे दिन निकट नहीं आये। तब तू उन से प्रसन्न न होगा।" किस तरह, प्रभु यीशु, आपने पतरस से कहा, "जब तू जवान था, तो उठकर जहां चाहता था, वहां फिरता था। परन्तु जब तू बूढ़ा होगा, और दूसरा तुझे बान्धकर जहां तू नही चाहेगा वहां तुझे ले जाएगा।" उन्हें याद करने दो, "अब वो दिन है। ये वो समय है।" इसे प्रदान करे, पिता।

123 मैं उनमें से हर एक को दावा करता हूं, मेरे अपने बच्चो के लिए, आज रात यहां पर, यहां के हर बच्चे के लिए। मुझे महसूस होता है कि आपने उनकी देखभाल के लिए मेरे हाथो में रखा है। मैं उन सब पर दावा करता हूँ, शैतान से और मृत्यु से लेकर, यीशु मसीह में जीवन तक। आमीन।

124 आपको आशीष मिले, बच्चों। आपसे कुछ शब्द को कहना सचमुच अच्छा लगा। और मैं वापस आऊंगा, बिली। आप अच्छे बच्चे है, आपकी सराहना करता हूँ। भाई फ्रेड, प्रभु आपको आशीष दे। प्रभु आपको आशीष दे, बहन।

आ, मेरे पीछे हो ले HIN63-0601

(Come, Follow Me)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में शनिवार शाम, 1 जून, 1963, को एक घर की सभा में, टयुसान, एरिज़ोना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2021 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org